

School

Report



1.1 Name of School

विद्यालय का नाम Govt Girls Primary School

है। यह धाजपुर पानीपत में स्थित है। यह विद्यालय एक अच्छी जगह पर स्थित है। जहाँ पर सभी गाँव के सदस्य अपने बच्चों को आसानी से विद्यालय में भेज सकते हैं। यह विद्यालय बिल्कुल रोड के पास स्थित है। जिसके चारो ओर खेल ही खेल है। यह विद्यालय संकात जगह पर बना हुआ है और जो बच्चे दूर-2 से आते हैं उन्हें पातापात के साधन आसानी से मिल जाते हैं। यह विद्यालय गाँव से बाहर निकलकर बनाया गया है। इस विद्यालय में काफी दूर-2 से बच्चे आते हैं। और उनको इस विद्यालय में अच्छी से अच्छी शिक्षा दी जाती है ताकि वे अपने उद्देश्य को आसानी से पूरा कर सकें।

1.2 Established of School

सन् 1984 में इस विद्यालय की स्थापना हुई। तब से यह विद्यालय अपना कार्य करता आ रहा है। यह एक अच्छा विद्यालय माना गया है।

1.3

Aim of School

विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। इसका उद्देश्य बच्चों को शिक्षित करना है। इसके द्वारा बच्चों के अन्दर दिये गुणों का विकास होता है। बच्चों में कुछ सीखने की भावना का विकास होता है।

1.4

Condition of School

यह विद्यालय धाजपुर कला में स्थित है। यहाँ आने जाने की सुविधा अच्छी है। क्योंकि हर समय ऑटो रिक्शा व अन्य वाहन तैयार रहते हैं। यहाँ पर पास में अस्पताल भी है।

1.5 Time of School

विद्यालय का समय भी

मौसम के अनुसार बदला जाता है

गर्मियों का समय → 8:00 A.M. से 2:30 P.M.

शरदियों का समय → 9:00 A.M. से 3:30 P.M.

1.6 Govt. Girls Sr. Sec. School (Primary wing)

इस विद्यालय का नाम Govt. Girls Primary School है।

यह धाजपुर में स्थित है।

यह एक सरकारी स्कूल है। स्कूल को सरकार

द्वारा मान्यता दी गई है। इस विद्यालय की

Primary wing में Ist से 5th तक की Classes

हैं। और सभी विषय पढ़ाए जाते हैं।

1.7 Introduction of Teachers

इस विद्यालय में

सभी विषयों को पढ़ाने के लिए अलग-अलग अनुभवी अध्यापकों की नियुक्ति की गई है। हर विषय को पढ़ाने के लिए निपुण अध्यापक हैं ताकि बच्चों को किसी भी विषय में कोई परेशानी न हो।

1.8 Principal

इस विद्यालय के प्रधानाचार्य का नाम 'कर्मवीर' सिंह है। वे बहुत मेहनत व ईमानदारी से अपना कार्य पूरा करते हैं।

1.9 Total Teacher

गाँव धाजपुर में कुल 4 अध्यापक हैं। सभी अध्यापक अपना कार्य बहुत अच्छे से करवाते हैं और ईमानदारी से अपना कार्य करते हैं। वे सभी बच्चों को बहुत ही लगन से कार्य करवाते हैं।

1.10 Teacher Diary

अध्यापक वे पास अपनी-2 डायरी हैं। वे अपनी डायरी में स्कूल का वक़्त वर्क लिखते हैं। वह हर रोज़ का वर्क की बच्चों को कक्षा-2 करवाया गया है। व बच्चों को Activity भी करवाते हैं। वो भी Activity डायरी में नोट करते हैं।

1.11

Total Student

Govt Girls Primary School
में छात्रों की संख्या 145 है

CLASS

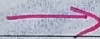
Students

1st



30

2nd



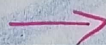
35

3rd



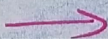
25

4th



25

6th



30

1.12

Lesson Plan

1- सर्व के दौरान हमने पाया कि Govt Girls Primary के सभी teachers बच्चों को Lesson Plan के अनुसार पढ़ाते हैं।

1.13

CLASS

Govt Girls Primary School में 6 Classes हैं।

1.14

Chairs & Tables

School में 20 Chairs व 15 Tables हैं। कुछ Chair लकड़ी की हैं। जो कुछ प्लास्टिक की Chairs हैं। सभी Chairs साफ सुथरी व अच्छी हैं। बौर्ड भी पनीचर टूटा नहीं हुआ है।

1.16

Room

School में 10 कमरे हैं। सभी कमरे खुले व हवादार हैं। सभी कमरों में 2

दरवाजे व 2 खिड़की लगी हुई हैं। ताकि बच्चों को शुद्ध व ताजी हवा मिलती रहे। कक्षाओं के बाहर बरामदा बना हुआ है ताकि उसमें बच्चे आसानी से खेल सकें।

1.16

LAB

इस विद्यालय में 3 Lab हैं

Science Lab, Maths Lab, N.S.O.P

1.17

Toilet

Govt Girls Primary School में

Toilet की व्यवस्था अच्छी है। Staff व बच्चों के Toilets अलग-2 बनवाए गए हैं व उनमें पानी की व्यवस्था भी अच्छी से कर रखी है।

1.18

Water

G. G. P. S

पानी की व्यवस्था बहुत अच्छी है। स्कूल के बीचों बीच पानी की टंकी बनवाई गई है ताकि बच्चे आसानी से पानी पी सकें।

1.19

Office Room

G.D.P.S में Office की अच्छी व्यवस्था है Principal के लिए अलग से Office की व्यवस्था की गई है तथा उनकी सभी जरूरत की चीजें Office में ही रखी जाती हैं

1.20

Cultural Activity

बच्चों को Saturday को Cultural Activity कराई जाती है इस दिन Assembly में बच्चे अपने विचारों को प्रकट करते हैं और विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। जैसे Singing, dancing, Play etc. 15 August व 26 January को भी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और Play भी दिखाया जाता है।

1.21

Discipline

G.D.P.S में सभी बच्चे अनुशासन में रहते हैं। सत्र-2 पर हर कार्य अच्छे से

करते हैं व समय पर स्कूल आते हैं। अध्यापकों के द्वारा बच्चों को सुझाव दिए जाते हैं।

1.22

Test

विद्यालय में अध्यापकों द्वारा बच्चों से Monthly test भी लिए जाते हैं। इन Test के दौरान बच्चों को कितना समझ में आया है और उन्हें कितना ज्ञान प्राप्त हुआ है उसका पता चल जाता है।

1.23

Calander of School

Calander के अन्दर स्कूलों की निश्चित क्रियाओं शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक क्रियाओं का उल्लेख होता है। इसमें पहले योजना बनाई जाती है तथा निश्चित कर दिया जाता है इसमें पूरे वर्ष स्कूल की गतिविधियों का वर्णन किया जाता है। इसी के आधार पर ही बच्चों को Holiday के बारे में बताया जाता है।

1.24

Book Bank

स्कूल में हर बच्चे के लिए Book Bank की व्यवस्था की गई है ताकि गरीब बच्चे भी पढ़ सकें। वे भी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। कक्षा शुरू होने के कुछ दिन बाद पुस्तकें दी जाती हैं और उन्हीं पुस्तकों के आधार पर पढ़ाया जाता है। हर बच्चे का Bank में Account होता है उसमें उसके हर महीने के खर्चे होते हैं।

1.25

Mid-day Meal

सरकारी स्कूलों में पाँचवी कक्षा तक मुफ्त भोजन दिया जाता है यह भोजन पोषितक व सन्तुलित होता है। इसमें विटामिन की प्रचुर मात्रा पाई जाती है और फिर दोपहर को भोजन दिया जाता है भोजन देने से पहले सभी बच्चों को कक्षा अनुसार हाथ धुलवाया जाता है। ताकि बच्चों

वे हाफ में बौई भी बीटाणु न हो फिर उन्हे
मोजन दिया जाता है। दूध व मोजन से बच्चों
का अच्छा विकास होता है।

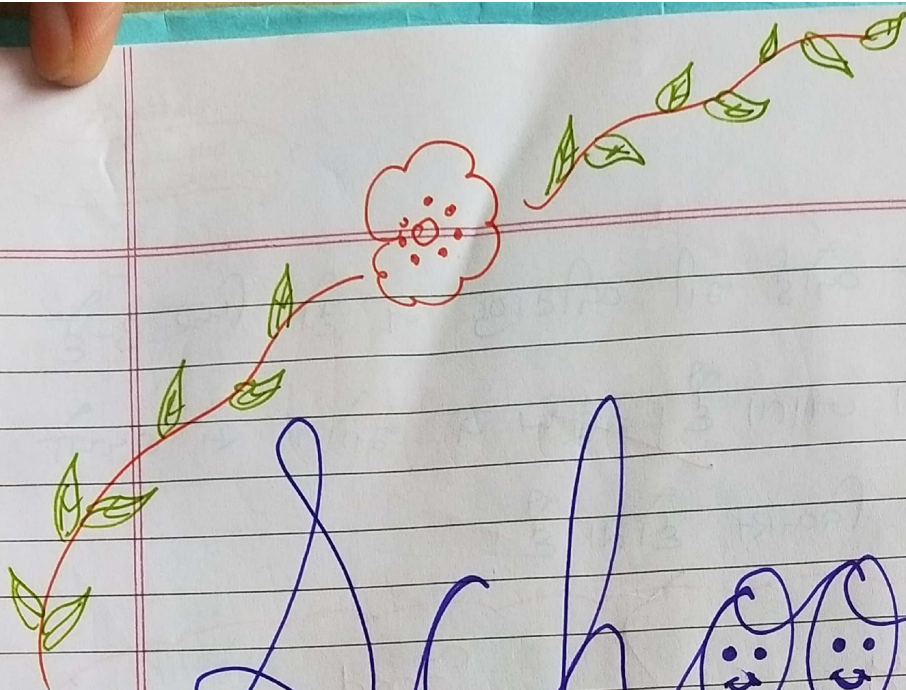
Day

1. Monday
2. Tuesday
3. Wednesday
4. Thursday
5. Friday
6. Saturday

Food

- दोले चावल
- खिचड़ी
- दलिया
- पुलाव
- चावल कढ़ी
- रोजमा चावल या
खिचड़ी

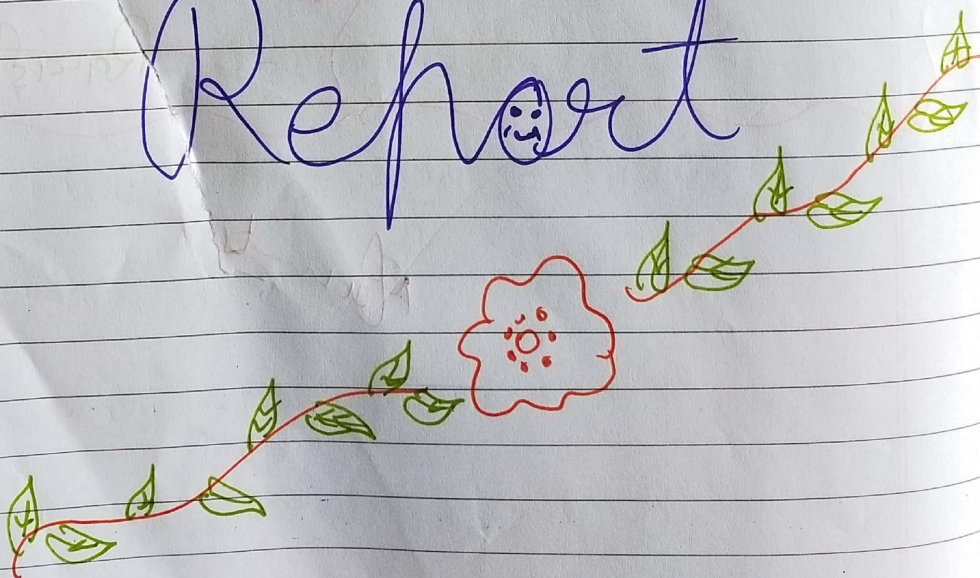
Mamta



School

Observation

Report



2.1

Assembly

सुबह-2 स्कूल में बच्चों को इकट्ठा

किया जाता है। सभी बच्चा के अध्यापक अपनी
बच्चा को लाइन में लाकर Assembly Area

में लाइन में खड़ा करते हैं। व एक अध्यापक
बच्चों को बंटा देता है। बच्चों को सावधान

विज्ञापन कराया जाता है। 3-4 बच्चे आगे आकर
प्रार्थना कराते हैं। सबसे पहले गायत्री मन्त्र का

जाप फिर प्रार्थना शुरू की जाती है। इसके बाद
राष्ट्रीय गान व गीत गाया जाता है। बच्चों

को देवता के प्रति आदर सम्मान सिखाया जाता है।

प्रार्थना में सभी बच्चों को योग भी कराया जाता है।

ताकि बच्चों का शरीर स्वस्थ रहे व पढ़ाई
में मन लगाए।

Gayatri

Mantra

गायत्री मन्त्र सभी बच्चों द्वारा पढ़ाया जाता है।

ये गायत्री मन्त्र प्रार्थना से पहले गाया जाता है।

ॐ भूर्भुव स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो

देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

भावार्थ : - तूने हमें उत्पन्न किया पालन कर रहा है

तू तुझसे ही पाते प्राण हम दुखियों के कष्ट हरता है तू

तेरा महान तेज है दिया हुआ सभी सत्ता, वस्तु में तू है

तेरा ही चरते चक्र हम मांगते तेरी दया ईश्वर

हमारी बुद्धि को जोड़ता मार्ग पर चला ।

Prayer

1. इतनी शक्ति हमें दे ना दूता
मन का विश्वास धमजार हो ना
हम चले नैक रस्ते पे हमसे
सुलकर भी कोई मुल हो ना

इतनी

हो ना

2. तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो,
तुम्ही हो बच्चा सखा तुम्ही हो,
तुम्ही हो साथी तुम्ही सद्गुरु
कोई न अपना सिवा तुम्हारे

3. तेरी है जमी तेरा आसमान

तू बड़ा मेहरबान,

तू बकशीश कर, सभी का है तू

सभी लैरे, खुदा मैरे तू बकशीश कर

तेरी है जमी तेरा आसमान

National - Anthem

जन-गण-मन अधिनायक जय है

भारत मातृ विधाता ॥

पंजाब, सिन्ध, गुजरात, मराठा

द्रविड उत्कल बंगाल ॥

विन्ध्य हिमालय पमुना गंगा ॥

उत्कल जलधि तिरंगा ॥

तव शुभ नामें जागें

तव शुभ आशीर्वा मांगें ॥

गायें सब जय गाथा ॥

जन गण मंगल दापक जय है

भारत मातृ विधाता ॥

जय है, जय है, जय है,

जय-जय-जय जय है ॥
(श्री-नारायण गौर)

National Song

National Song ^{ही} सभी बच्चों के द्वारा एक साथ गाया जाता है ।

वन्दे मातरम वन्दे मातरम ।

सुजलाम सुफलाम मलयज शीतलाम

शारङ्गधरामला मातरम

शुभ ज्योतिषा, पुलकितपामीनी

सुहासिनम् सुमधुर भाषिणम्

सुखदाय वरदाय मातरम्

वन्दे मातरम, वन्दे मातरम्

(बंकिम चन्द्र चटर्जी)

2.6

Attendance Report

विद्यालय में प्रतिदिन कक्षा में हाजिरी ली जाती है। हाजिरी के आधार पर ही उनका रिकार्ड बनता है। अगर बच्चा स्कूल में उपस्थित है तो Present लगाई जाती है और अगर उपस्थित नहीं है तो Absent लगाई जाती है। और इसी Absent के आधार पर Attendance % निकली जाती है। बच्चों के Internal Marks भी इसी आधार पर लगाए जाते हैं।

2.7

Physical Motor

विद्यालय में हर रोज शारीरिक क्रियाएं करवाई जाती हैं। जिससे बच्चे स्वस्थ रहे उनका अच्छी तरह से शारीरिक विकास हो सके। शारीरिक क्रियाएं इस प्रकार हैं जैसे P.T, Jumping, yoga etc.

2.8

Sports

बच्चों की आयु के अनुसार उन्हें खेल खिलाए जाते हैं। जैसे खो-खो, वॉलीबॉल, हॉकी, फुटबॉल, बस्केटबॉल, बड्डी खेलों से बच्चों में आत्म विश्वास की भावना पैदा होती है। उन्हें नैतिक व चार्मिक मूल्यों के बारे में पता चलता है। व एक दूसरे की भावनाओं को भी समझने लगती है। खेलों से बच्चों में आगे बढ़ने की भावना को भी प्रबल विकास होता है। और खेलों से ही बच्चों में अपने विचारों व दूसरों के विचारों का पता चलता है।